E-3293

B. A. (Part-III) EXAMINATION, 2021

HINDI LITERATURE

Paper First

[जनपदीय भाषा–साहित्य (छत्तीसगढ़ी)]

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट :–सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

i. गुरू पइयां लागव नाम लेख दीजो हो ।
जनम–जनम का सोया मनुवा, शब्दन भार जगा दीजो हो ।
घट अंधियार नैन नहिं सूझे, ज्ञान का दीप जगा दीजो हो ।
विष की लहर उठत घट अंतर, अमृत बूंद चुंवाय दीजो हो ।
गहिरी नदिया अगम बोहाय, खेय के पार लगा दीजो हो ।
धरमदास की अरज गुसाई, अब की पर लगाय दीजो हो ।

अथवा

माता के परसे
अउ मेघ के बरसे ।
खातू पड़े तो खेती,
नई ते नदिया कै रेती ।
चलनी मं दूध दुहै,
करम ल दोस देय ।

ii. नवरात मनइया मन नव दिन ले उपास रहिंथय । उंखर विश्वास है के ये समै मं जउन अनुष्ठान होथय तेखर बड़ फायदा हौथय । काहे के, संयम मं रहे के कारन, रितु परिवर्तन होये के कारन, आने वाल कष्ट व्याधि से अनुष्ठान करइया बचे रहिथय, दूसर हवन अउ यज्ञ के धुंवा ले हवा शुद्ध हो जाथय, जेखर कारन किसम–किसम के रोग राई के समाप्ति हो जाथय। खराब हवा ल बने करे खाती हवन सबले बढ़िया उपाय आय । येखरे सेती हमार जुन्ना रिसी मुनी मन येखर बर जादा जोर दिये हैं ।

अथवा

तोर त्–त्–त्–त् बइला के, बन जाथे गाता–छंद रे ।
सब खेत होथे राधा, तयॅ बनथस बेटा नंद रे ।।
तोर खुसी ले खेत मन, झुमर–झुमर लहरावैं रे ।
तोर उछाह ले गांवें, म नवा जिनगी आवै रे ।।
तोर खेत के चारो खुट, हो जाथे चारों धाम रे ।।

iii. जेठू

महाजन इहॉ
सूत के ओढ़ना बनाके
दे आथे
घर भर के सबो
चेंदरी बर लुलुवायें
इज्जत ढॉके बर
जुन्ना कपड़ा घलाव नइं पा सकै ।

अथवा

चारें डहर सवाल उगे हे, मूड़ उचाए करगा कस ।
यैला लू के सफल किसन्हा, हर जुवाब सरजा लेथे ।।
पीरा, अपने आप टघल जाथे, बेरा के ढरकत ले ।
ऊॅखरे हवय जमाना संगी, जै पीरा संग गा लेथे ।।

2. संत धर्मदास का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके पदों की विशेषताऍ लिखिए।12

अथवा

लखनलाल गुप्त द्वारा रचित निबंध 'सोनपान' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

छत्तीसगढ़ी साहित्य में सत्यभामा आडिल के योगदान पर प्रकाश डालिए।

3. समकालीन काव्य के विकास में मुकुंद कौशल का स्थान निर्दिष्ट कीजिए। 12

अथवा

छत्तीसगढ़ी भाषा के क्षेत्र तथा विविध रूपों पर संक्षेप में प्रकाश डालिये ।

अथवा

छत्तीसगढ़ी साहित्य की विकास यात्रा पर संक्षिप्त निबंध लिखिए ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियॉ लिखिए :– 15

i. पं. सुंदरलाल शर्मा का रचना संसार ।
ii. "देवार डेरा" लोकमंच का सामाजिक पहलू ।
iii. कपिलनाथ कश्यप का व्यक्तित्व व कृतित्व ।
iv. छत्तीसगढ़ी भाषा में लिंग विधान ।
v. विनय कुमार पाठक की काव्य–कला ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– (कोई पंद्रह) 15

i. धर्मदास की पत्नि का क्या नाम था ?
ii. छत्तीसगढ़ी में 'परब' का हिन्दी रूप लिखिए ।
iii. 'एमा' शब्द का हिन्दी रूप लिखिए ।
iv. 'सुरता के सोन किरन' किसकी आत्मकथा है ?
v. 'क्वांर की दुपहरी' किसकी रचना है ?
vi. 'अकदसी अउ अनचिन्हार' में कितनी कविताऍ संकलित हैं ?
vii. 'गजल' मूलतः किस भाषा का काव्य प्रकार है ?
viii. 'छत्तीसगढ़ी दानलीला' के रचनाकार कौन हैं ?
ix. रामचंद्र देशमुख का जन्म किस ग्राम में हुआ था ?
x. कपिलनाथ कश्यप द्वारा लिखित खण्डकाव्य का नाम बताइए ।
xi. 'लोकोक्ति' को छत्तीगढ़ी में क्या कहा जाता है ?
xii. 'नाती' का स्त्रीलिंग रूप लिखिए ।
xiii. 'जंउरिहा' शब्द का हिन्दी रूप लिखिए ।
xiv. 'खूब तमाशा' किसकी रचना है ?
xv. 'लइका' शब्द का बहुवचन लिखिए ।
xvi. 'करमछड़हा' का नाटक के लेखक कौन है ?
xvii. मानक छत्तीसगढ़ी किन क्षेत्रों में प्रचलित है ?
xviii. तीजन बाई का संबंध किस लोककला से है ?
xix. छत्तीसगढ़ में 'गउरा' किस देवता को कहा जाता है ?
xx. 'दियना के अंजोर' उपन्यास के लेखक कौन हैं ?

***